Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University (Formerly Allahabad State University), Prayagraj

NEWS-LETTER

Vol.: 4 No.: 1 & 2

January- February & March - April-2019

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001, U.P. India
website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION:

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

Sheshnath Pandey
Registrar
Mobile No.: +91-9839984620
email: registrarasua@gmail.com

(Dr.) Vineeta Yadav
Controller of Examination
Mobile No.: +91-9450161119
Ph(O): 0532-2256207
email: coeasua@gmail.com

Prabhash Dwivedi
Deputy Registrar
Mobile No.: +91- 9454028590

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेषः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)

– श्रीमद्भगवद्गीता

कुलपति की कलम से

नूतन वर्ष 2019 में हमारे विश्वविद्यालय की प्रगति और बौद्धिक गतिविधियों के उत्तरोत्तर विस्तार को देखकर हमें अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। यह वर्ष लोकतंत्र के महापर्व के रूप में प्रतिष्ठित लोकसभा के लिए नव निर्वाचन का वर्ष है। इसलिए **'मतदाता दिवस'**(25 जनवरी, 2019) के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और अन्य सभी उपस्थितजनों ने लोकतंत्र में अपनी आस्था की शपथ लेकर वयस्क मताधिकार को प्रयोग करने का संकल्प लिया। तत्क्रम में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर देश की उपलब्धियों का गुणानुवाद करते हुए समारोह आयोजित हुआ। 12 फरवरी, 2019 को प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज और जिनान विश्वविद्यालय, चीन के बीच **'भारत-चीन अध्ययन'** हेतु **'Letter of Intent'** हस्ताक्षरित हुआ। इस अवसर पर चीन से पधारे प्रो0 जिया हैताओ ने सांस्कृतिक सम्बन्ध एवं बौद्धिक आदान-प्रदान पर केन्द्रित व्याख्यान दिया। 13 फरवरी, को पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी ने मेरे द्वारा सम्पादित पुस्तक **''समर शेष है: मानवता की काव्यात्मक मीमांसा''** का लोकार्पण किया। इसके अलावा पुलवामा आतंकी हमले के पश्चात भारत की हवाई कार्यवाही के निहितार्थ पर आधारित दैनिक जागरण के साथ वार्ता, महाविद्यालयों में आयोजित गतिविधियों में सहभागिता और **''टाउन और गाउन''** के कार्यक्रमों में भाग लेकर हमने **''चरैवेति-चरैवेति''** की उदात्त परम्परा का परिपालन सुनिश्चित किया है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए हम आगे भी सत्प्रयत्न करते रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित

Rprasad

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

''मतदाता दिवस'' में सहभागिता (25 जनवरी, 2019)

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सी0पी0आई0 कैम्पस में दिनांक 25 जनवरी, 2019 में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त दिशा-निर्देश के अनुक्रम में मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा की गयी। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि भारत एक गणतांत्रिक देश है। एक गणतांत्रिक देश में सबसे अहम होता है चुनाव और मतदान। गणतंत्र एक यज्ञ की तरह होता है जिसमें मतों की आहुति सबसे अहम मानी जाती है और व्यस्क मताधिकार वाले व्यक्ति मतदान द्वारा देश के लिए जन-प्रतिनिधि चुनते हैं,जो जनता के साथ मिलकर देश की प्रगति में अपना अहम योगदान देते है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री शेषनाथ पाण्डेय, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 विनीता यादव, उपकुलसचिव श्री प्रभाष द्विवेदी के साथ विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। उनके द्वारा मतदाता दिवस के अवसर पर लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था की निम्न शपथ ली गयी:

''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें''

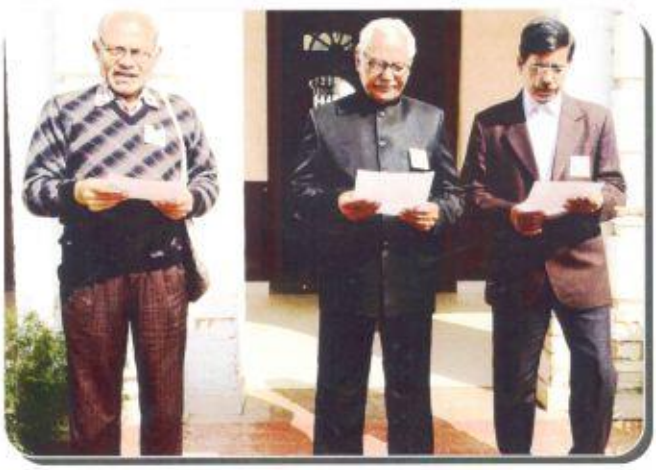

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी, 2019)

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रशासनिक भवन में दिनांक 26 जनवरी 2019, गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रात: 08:00 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। इस ऐतिहासिक अवसर पर

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, कुलसचिव श्री शेषनाथ पाण्डेय, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 विनीता यादव और वित्त अधिकारी श्री डी0पी0त्रिपाठी, उपकुलसचिव प्रभाष द्विवेदी, दीप्ति मिश्रा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

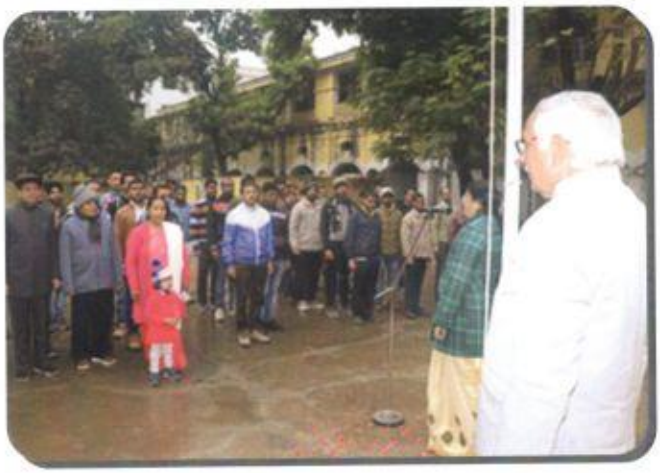

उच्चस्तरीय अध्ययन, शोध एवं मानवसंसाधन आदान-प्रदान करने के लिए राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जिनान विश्वविद्यालय, चीन के बीच सहयोग

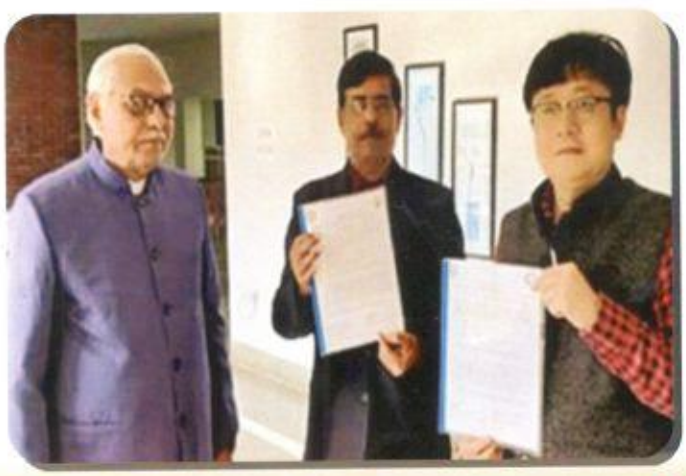

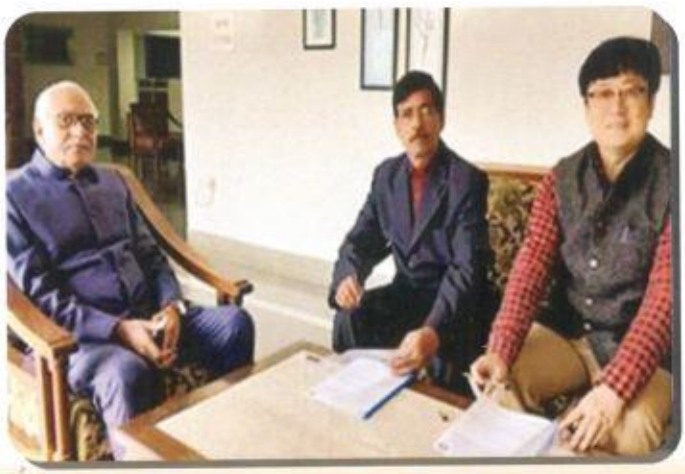

Signing of Letter of Intent between Allahabad State University and Institute for Chindian Studies, Jinan University, China on February 12, 2019. Signatires are: Prof. Jia Haitao, Director, Institute for Chindian Studies, Jinan University, Chinese side and Shri Sheshnath Pandey, Registrar, Allahabad State University on the Indian side in presence of Vice-Chancellor of Allahabad State University, Prayagraj, U.P. India.

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन (9 फरवरी 2019)

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा **''बोधिधर्म और भारत-चीन सांस्कृतिक विनियम''** एवं **''आपदा प्रबन्धन और सशस्त्र बल की भूमिका''**और **''भारत-चीन संबंध: यथास्थिति और सम्भावनाएँ''** विषयक व्याख्यान का आयोजन किये गये। अध्यक्षता प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा की गयी। वक्ता के रूप में जिया हैताओ, निदेशक, द इंस्टीट्यूट ऑफ चिंडियन स्टडीज, जिनान यूनिवर्सिटी, चीन एवं भारतीय वायुसेना, के ग्रुप कैप्टन (डॉ0) आर0के0सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिया हैताओ ने अपने व्याख्यान में कहा कि चीन एवं भारत विश्व के दो बड़े विकासशील देश है। दोनों ने विश्व की शांति एवं विकास के लिये अनेक काम किये हैं। इनके बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आदान-प्रदान की समकालीन परिवेश में दोनों देशों के हित में है।

ग्रुप कैप्टन (डॉ0)आर0के0सिंह ने अपने व्याख्यान में कहा कि आपदाएं विभिन्न प्रकार की होती हैं जो प्राकृतिक घटनाओं के साथ-साथ मानवीय भूलों के कारण भी होती है। दुनिया के कई देश अक्सर प्रतिकूल प्राकृतिक आपदाओं से घिर जाते हैं। ऐसी आपदाओं की तीव्रता और गंभीरता लचताजनक है। जीवन की हानि, संपत्ति को नुकसान और संसाधनों को अलग करना सामान्य जटिलताएं हैं। आपदाओं से निपटने में सशस्त्र बलों ने जो योगदान दिया है, वह नागरिक शक्ति को सहायता के लिये अधिकाधिक व्यवस्था के कुछ प्रकार के तहत किया गया है, जैसा कि स्थायी संचालन प्रक्रियाओं में निर्धारित किया गया है। सैन्य-बल का प्रयोग पूरी तरह से काउंटर-डिजास्टर भूमिका में प्रभावी है। यहां लचीली संगठनात्मक संरचना, दिन और रात तक निरंतर संचालन की क्षमता और सशस्त्र बलों की अच्छी तरह से प्रशिक्षित प्रबंधन प्रणाली आपदा राहत कार्यों के लिए अच्छी तरह से अनुकूल बनाती है। इसके अलावा, उनकी कई सामान्य गतिविधियाँ सार्वजनिक आपातकालीन सेवाओं के समानांतर हैं। इस प्रकार सशस्त्र बल पीड़ितों को इंजीनियरिंग, संचार, परिवहन, बचाव, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, क्षेत्र की स्वच्छता, पानी की आपूर्ति आदि में अमूल्य सहायता प्रदान कर सकते हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी, श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, कुलसचिव, श्री शेषनाथ पाण्डेय, परीक्षा नियंत्रक, श्रीमती विनीता यादव, उपकुलसचिव श्री प्रभाष द्विवेदी, उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा, शिक्षकगण, छात्र-छात्राए, कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

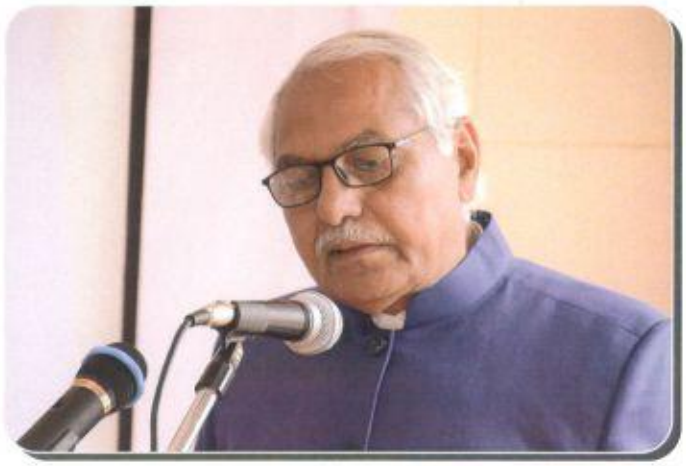

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा रचित 'समर शेष है: मानवता की काव्यात्मक मीमांसा'' नामक पुस्तक का लोकार्पण (13 फरवरी, 2019)

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा रचित **''समर शेष है: मानवता की काव्यात्मक मीमांसा''** नामक पुस्तक का लोकार्पण विश्वविद्यालय स्थित कॉफ्रेंस हॉल में किया गया, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पं0 केशरीनाथ त्रिपाठी, माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल ने पुस्तक का लोकार्पण किया।

मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल पं0 केशरीनाथ त्रिपाठी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मन विविधाओं से परिपूर्ण है, हमारी संवेदनाएं प्रतिक्रिया के रूप में कविता के माध्यम से प्रकट होती हैं। सरल शब्दों में व्यक्त की गयी बातें सदा सार्थक हैं। 'समर शेष है' ऐसी ही रचना है। आगे उन्होंने कहा कि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद संवेदनशील व्यक्ति हैं, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उनकी कविताएँ व्यक्ति, समाज और देश के हित को सम्प्रेषित करती हैं। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात माननीय राज्यपाल ने यह कही कि अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए कर्म करना ही 'समर' है, जो जीवन भर चलता रहता है।

पुस्तक के संदर्भ में प्रो0 राम किशोर शर्मा एवं डॉ0 क्षमाशंकर पाण्डेय ने समीक्षात्मक वक्तव्य देते हुए पुस्तक के

सबल पक्षों को प्रस्तुत करते हुए प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की कविताओं का वाचन भी किया। प्रो0 राम किशोर शर्मा ने कहा कि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की कविताएं मानवीय मूल्यों, भारतीय संस्कृति तथा समकालीन राजनीतिक, सामाजिक समस्याओं को बहुत ही सरल एवं सुबोध भाषा में निरूपित करती हैं।

डॉ0 क्षमाशंकर पाण्डेय ने कहा कि 'समर शेष है' की कविताएं बहुवस्तु परिसीमित है। साथ ही इसके गहरे सामाजिक सरोकार हैं। ये कविताएँ एक साथ तिनके से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक एवं यंत्रमानव तक को स्पर्श करती हैं।

कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ0 डी0पी0 ओझा, पूर्व प्राचार्य, हेमवती नन्दन बहुगुणा पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं आगन्तुकों को परीक्षा नियंत्रक डॉ0 विनीता यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री शेषनाथ पाण्डेय, वित्त अधिकारी श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा, चीन के जिनान विश्वविद्यालय से पधारे प्रो0 जिया हैताओ, भारतीय वायु सेना, के ग्रुप कैप्टन आर0के0 सिंह, उक्त पुस्तक के प्रकाशक श्री रविशंकर मिश्र, प्रो0 जे0एन0 पाल, प्रो0 रूद्रदेव, प्रो0 जे0एन0 मिश्र, प्रो0 राम किशोर शर्मा, डॉ0 क्षमाशंकर पाण्डेय, प्रो0 एम0एन0 सिंह, प्रो0 आर0एस0 राय, प्रो0 आर0के0 चौबे, डॉ0 मयाशंकर सिंह, डॉ0 के0के0 यादव, डॉ0 शीलारानी यादव, डॉ0 अजीता भट्टाचार्या, विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं।

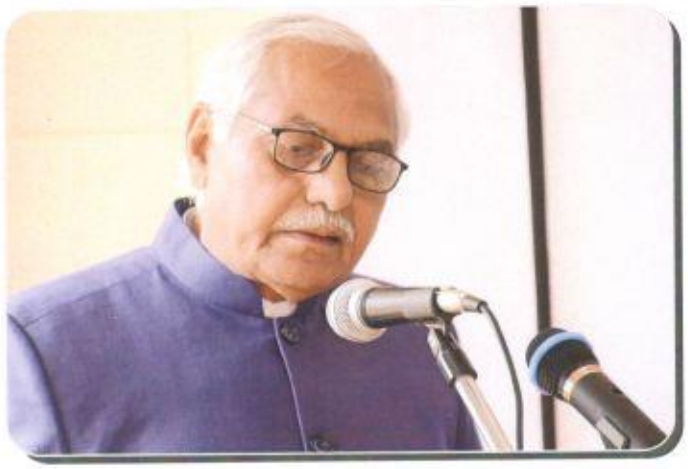

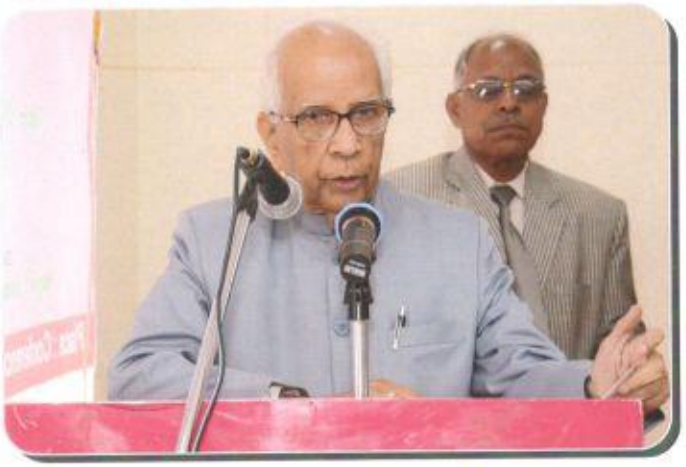

दैनिक जागरण द्वारा आयोजित विमर्श में व्याख्यान : ''कार्रवाई स्वागतयोग्य पर युद्धोन्माद की स्थिति होगी खतरनाक'' (27.02.2019)

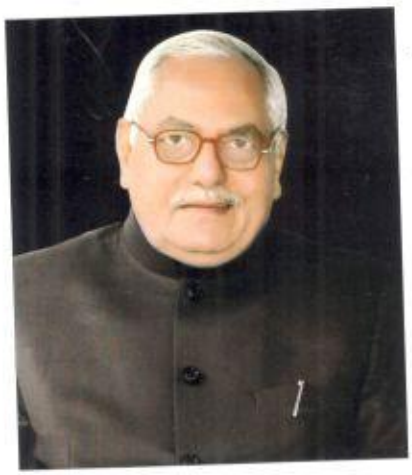

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने पुलवामा के आत्मघाती आतंक के जवाब में पाक स्थित ठिकाने पर हुए अटैक पर दैनिक जागरण से हुई अपनी वार्ता में कहा कि भारतीय वायु राष्ट्रीय सेना द्वारा आतंकियों के पाक स्थित बालाकोट ठिकाने पर की गई कार्रवाई स्वागत योग्य है। यह अप्रत्याशित हवाई हमला, जिसमें लेजर गाइडेड बमों का प्रयोग किया गया, आतंकवाद की कमर तोड़ने की तरफ बढ़ा एक सशक्त कदम है। इसमें न सिर्फ पुलवामा हमले का मुंहतोड जवाब दिया जा सका है, बल्कि दशकों से चले आ रहे पाकिस्तान के उस त्रिस्तरीय रणनीति को भी जबर्दस्त क्षति पहुंचाई गई है जिसके बल पर वह भारत के विरूद्ध आतंकवाद को इस्तेमाल करता रहा है। इसमें पाकिस्तान सेना, आइएसआइ, और आतंकी गठजोड़ जैसे मंसूबों पर पानी फेरने का सिलसिला प्रारम्भ हो चुका है।

इस प्रकार अप्रत्याशित हमला करने की कार्रवाई अवश्य होनी चाहिए। इस प्रकार की कार्यवाही प्रायोजित आतंकवाद के विरूद्ध सुनियोजित प्रहार का एक शक्तिशाली विकल्प है। यह हमारी सैन्य संक्रियात्मक पहल को प्रदर्शित करता है, किंतु इतना संयम अवश्य बरतना चाहिए कि युद्धोन्माद की स्थिति न पैदा हो। भारतीय वायुसेना की कार्रवाई से तमतमाए पाकिस्तान ने भी मुकाबले की बात और एलओसी पार कर उसके एफ-16 विमान थोड़ी दूर तक आए भी पर भारत के खिलाफ कोई जवाबी कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुटा सके। उन्हें पता है इससे युद्ध शुरू हो जाएगा। अगर सैन्य शक्ति के रूप में देखा जाए तो पाकिस्तान, भारत से एक सप्ताह भी लड़ने की ताकत नहीं रखता लेकिन युद्ध से भारत को भी नुकसान होगा। दोनों परमाणु सशक्त सम्पन्न देश हैं। युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान द्वारा इसका प्रयोग संभव है, जैसा कि वह बीच बीच में धमकी भी देता रहा है। ऐसे में युद्ध से बचना भारत और पाकिस्तान के लिए अच्छा होगा। अन्यथा कहीं 'लमहों ने खता की, सदियों ने सजा पाई' वाली स्थिति न पैदा हो जाए। जापान के ऊपर द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान न्यूक्लियर हमला आज भी एक सटीक उदाहरण है।

सरकार ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का नाम परिवर्तित कर प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय रखा

प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज का नाम बदलकर प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज कर दिया है। सरकार ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज का नामकरण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरसंघसंचालक प्रो0 राजेन्द्र सिंह उर्फ रज्जू भय्या की स्मृति में कर दिया है। कैबिनेट ने माननीय कुलाधिपति/ श्री राज्यपाल से 'उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश-2019' को उक्त संशोधन प्रस्तावित है।

Amendment of section 4 of President's Act no.10 of 1973 as amended and re-enacted by U.P. Act no. 29 of 1974 in clause(g) for the words "Allahabad State University, Allahabad" the words 'Professor Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj shall be substituted.

उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 29 सन् 1974 द्वारा यथासंशोधित और पुन: अधिनियमित राष्ट्रपति अधिनियम संख्या 10, सन्1973 की धारा 4 का संशोधन खण्ड (छ) में शब्द ''इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद'' के स्थान पर ''प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज'' रख दिये जायेंगे

दैनिक जागरण के अकादमिक बैठक में 'क्या हासिल हुआ बालाकोट हमले से' विषय पर प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद जी द्वारा रखे गये विचार

(12 मार्च, 2019)

दैनिक जागरण की अकादमिक बैठक में **''क्या हासिल हुआ बालाकोट हमले से''** विषय पर चर्चा के दौरान प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद रक्षा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। ध्यातव्य है कि जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सी.आर.पी.एफ. के काफिले पर हुए हमले में 40 जवान शहीद हो गए थे। जवाब में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कैंप को धवस्त कर दिया था। इस हमले से पाकिस्तान हतप्रभ रह गया। उसे भारत की क्षमता का अहसास तो हुआ ही, साथ ही यह अनुमान भी हो गया कि भारत अब आतंक को मुँहतोड़ जवाब देगा। कोई देश तभी विकास कर सकेगा जब वह सुरक्षित रहेगा। यदि राष्ट्र खतरे में पड़ जाए तो बेझिझक सैन्य शक्ति का प्रयोग करना चाहिए। सजग रणनीति बनाकर राष्ट्रहित की रक्षा की जानी चाहिए। यही भारत ने बालाकोट में किया। इसके लिए भारत ने पूरी तैयारी की थी, जिससे भारत को कूटनीति विजय हासिल हुई। पूरे विश्व से उसकी कार्रवाई को समर्थन मिला क्योंकि भारत विश्व को यह संदेश देने में सफल रहा कि वह अपने ऊपर हुए आतंकी हमले का प्रत्युत्तर दे रहा है।

उन्होंने कहा कि अभी तक इस तरह की एयर स्ट्राइक इजराइल, अमेरिका जैसे कुछ चुनिंदा देश ही करते थे। उन्होंने कहा कि आतंकी इस तरह के हमले सरकार को अस्थिर और अलोकप्रिय बनाने के लिए करते हैं और करते रहे हैं। आज हमारा देश बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रयागराज में सकुशल कुम्भ का समापन इसका सटीक उदारहण है। पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवाद को नीति का साधन बनाया जा रहा है। उनका यह भी उद्देश्य होता है कि प्रशासनिक और राजनीतिक सत्ता समय-समय पर झटका खाती रहे। हालांकि, उनके यह मंसूबे सैन्य कार्रवाई से फेल भी होते रहते हैं।

विगत काल में पाकिस्तान को ट्रिपल 'ए' का संरक्षण प्राप्त था, वे थे-आर्मी, अल्लाह और अमेरिका। इसमें से अमेरिका ने तो अपना हाथ पीछे खींच लिया। अब उसके पास केवल दो 'ए' बचे हैं।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 'पं0 दीन दयाल उपाध्याय की विचार दृष्टि' विषयक द्वि-दिवसीय गोष्ठी (25-26 मार्च, 2019)

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज (पूर्ववर्ती, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)एवं उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में राज्य विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित **''पंडित दीन दयाल उपाध्याय की विचार दृष्टि''** विषयक द्वि-द्विवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन विधानसभा के अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि श्री दीक्षित जी ने पं0 दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानवदर्शन के परिप्रेक्ष्य में उनकी सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक मान्यताओं का विवेचन किया और इस बात पर बल दिया कि व्यक्ति, परिवार, समुदाय, समाज, विश्व, प्रकृति एवं सृष्टि सबमें एकात्म तत्व प्रतिष्ठित है। पं0 दीनदयाल जी की मान्यता थी कि एकात्म मानवदर्शन को आत्मसात कर सम्यक विकास के लिए धर्म, अर्थ काम और मोक्ष चारों पुरूषार्थ का अनुगमन जरूरी हैं। बीज-वक्ता डॉ0 श्याम बाबू गुप्ता ने पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के विचारों की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ0 सदानन्द गुप्ता ने उपाध्याय जी के भाषा सम्बन्धी विचारों की राष्ट्रीय महत्ता का विवेचन किया। राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी ने 'अन्त्योदय' के माध्यम से समाज के निचले पायदान पर स्थित व्यक्ति के समग्र विकास हेतु एकात्म मानवदर्शन के विचार को अपनाने पर बल दिया। उनकी मान्यताएं भारत के समक्ष विद्यमान आज की चुनौतियों के संदर्भ में अत्यन्त प्रासंगिक हैं। गोष्ठी का संचालन प्रो0 राम किशोर शर्मा ने किया। गोष्ठी के अंत में डॉ0 विनीता यादव ने समस्त अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

दो तकनीकी सत्रों में डॉ0 कन्हैया सिंह, डॉ0 उदय प्रताप सिंह, डॉ0 विद्याकान्त तिवारी, डॉ0 पवन शर्मा, डॉ0 राकेश सिंह, डॉ0 लक्ष्मीकान्त पाण्डेय ने उपाध्याय जी के सांस्कृतिक एवं आर्थिक विचारों की विशद व्याख्या की और सार्थक विचार-विमर्श सम्पन्न हुए।

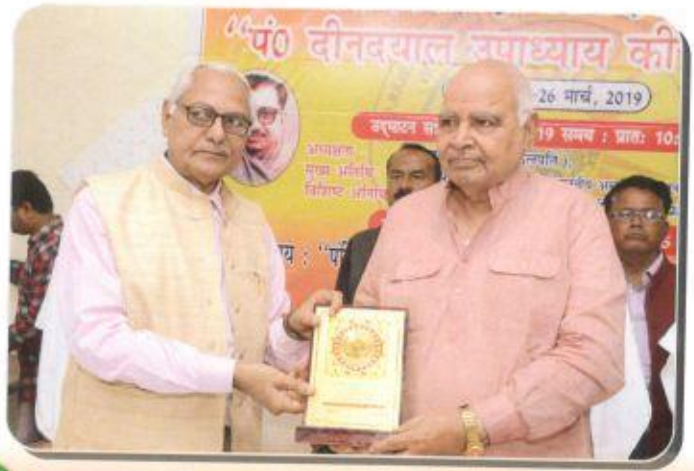

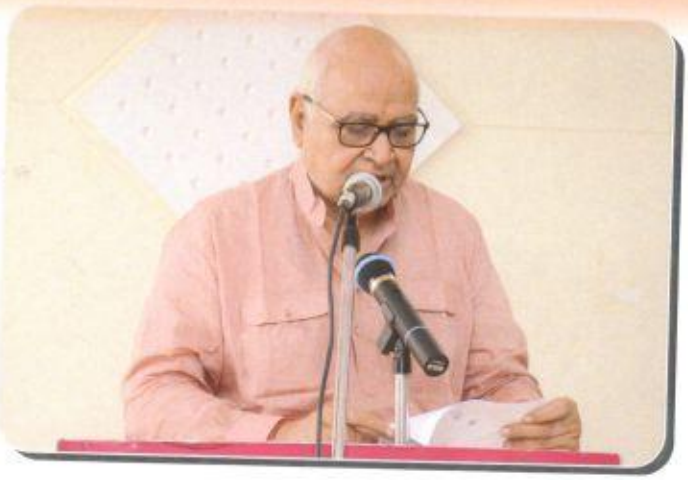

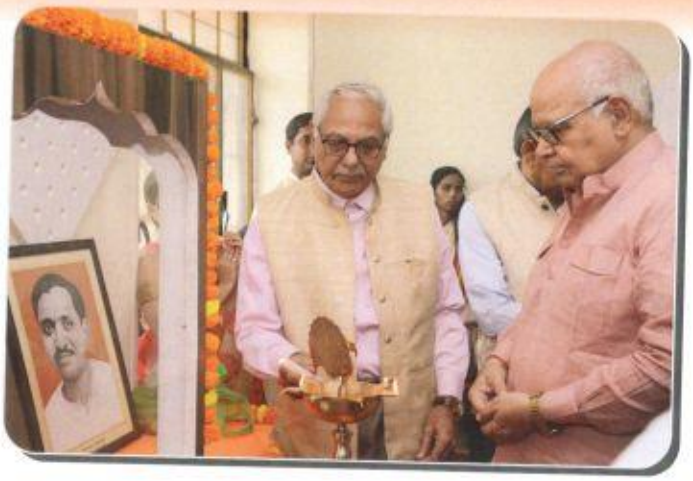

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 'पं0 दीनदयाल उपाध्याय की विचार दृष्टि' विषयक संगोष्ठी का तृतीय एवं समापन सत्र (26.03.2019)

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 'पं0 दीनदयाल उपाध्याय की विचार दृष्टि' विषयक संगोष्ठी के तृतीय सत्र में पं0 दीनदयाल उपाध्याय के शैक्षणिक विचार पर परिचर्चा केन्द्रित रही। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए एकात्म मानव दर्शन एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ0 महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने समय के अन्य विचारकों से भिन्न राष्ट्रीय सोच रखते थे। उनके विचारों तथा कार्यों को जनसाधरण में प्रचारित-प्रसारित होने से रोका गया। **उपाध्याय जी की राष्ट्रीय सोच भारत की एकता तथा अखंडता के लिए अत्यन्त उपादेय है।** उनकी शिक्षा से सम्बन्धित धारणा में माँ और गुरू का विशेष महत्व है। शिक्षा परिवार से शुरू होती है, ऐसी शिक्षा का औपचारिक शिक्षा की तुलना में कम महत्व नहीं है। **विमर्श के दौरान कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद उनके शिक्षा सम्बन्धी विचारों की वर्तमान राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकित किया तथा इस तथ्य को रेखांकित किया कि हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं के साथ बिना कोई समझौते किये वर्तमान युवा पीढ़ी की समन्वित आकांछाओं को पूरा करे और उन्हें इस लायक गुण सम्पन्न बनाये।** तकनीकी सत्र में वक्ता के रूप में डॉ0 प्रदीप राव तथा प्रो0 ओम प्रकाश पाण्डेय ने भारतीय परम्परा के परिप्रेक्ष्य में पं0 दीनदयाल जी के शिक्षा दर्शन को विश्लेषित किया। द्वि-द्विवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने गोष्ठी की सम्पूर्ण उपलब्धियों को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि प्रो0 एम0पी0 दुबे, पूर्व कुलपति, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने विश्व के अनेक चिन्तकों के विचारों के साथ तुलना करके पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की महत्ता निरूपित की। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने अनेक स्थापित विचारधाराओं का उल्लेख करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानवदर्शन की श्रेष्ठता को रेखांकित किया। समापन सत्र के दौरान संयोजक प्रो0 राम किशोर शर्मा ने गोष्ठी का सारांश प्रस्तुत किया तथा प्रो0 जगदीश नारायण ने आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

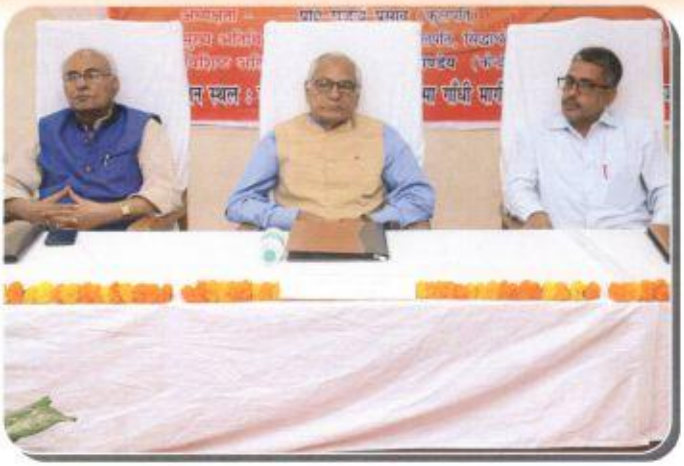

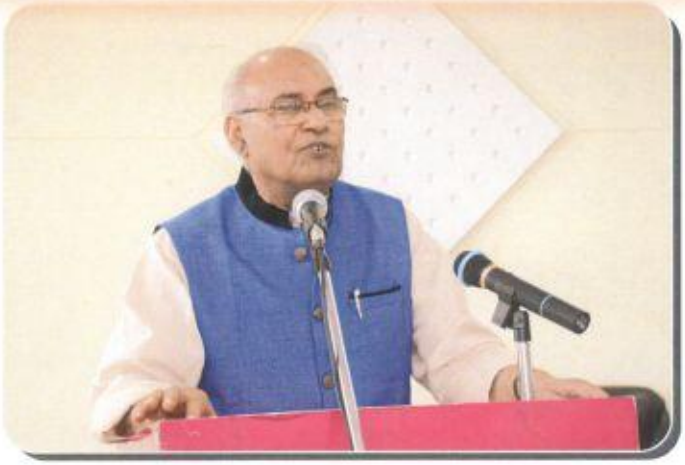

उपाध्याय की विचार दृष्टि"
दिनांक 25-26 मार्च, 2019

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज को भवन निर्माण के लिए अतिरिक्त धन की राजकीय स्वीकृति

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के भवन निर्माण के पहले चरण के लिए शासन की ओर से 18 करोड़ 93 लाख 95 हजार रुपये स्वीकृत कर दिए गए है। इसके पहले विश्वविद्यालय को 61 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि शासन की ओर से बजट स्वीकृत कर दिया गया है। नैनी में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। विश्वविद्यालय का परीक्षा भवन निर्माण एजेंसी ने तीन माह बाद सौपने के लिए कहा है। विगत् परीक्षाओं की लिखित पुस्किाओं का मूल्यांकन नैनी के मुख्य परिसर में संचालित करने की तैयारी भी हो रही हैं। इसके अलावा अन्य कार्य भी तेजी से चलाये जा रहे है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार और चारों तरफ बाउंड्री बनाने के साथ तीन एकेडमिक ब्लॉक भी बनकर तैयार हैं। अभी प्रशासनिक भवन, बैंक, पोस्ट ऑफिस, पुलिस चौकी, छात्रावास और कुलपति समेत अन्य अफसरों के लिए भवन का निर्माण चल रहा है। 17 जून 2016 को कार्यभार ग्रहण करने वाले विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि 200 करोड रुपये में निर्माण कार्य पूरा किया जाना है ।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित बाबा भीमराव अम्बेडकर की जयंती

(14 अप्रैल, 2019)

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराजमें बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री शेषनाथ पाण्डेय, कुलसचिव, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय ने कहा कि डॉ0 भीमराव अंबेडकर को उनके विशाल योगदान के लिए याद किया जाता है। उन्होंने भारत के निम्नस्तरीय समूह के लोगों की आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के साथ ही शिक्षा की जरूरत के लक्ष्य को फैलाने के लिये **'बहिष्कृत हितकरनी सभा'** की स्थापना की थी। इंसानों की समता के नियम के अनुसरण द्वारा भारतीय समाज के पुनर्निर्माण के साथ ही जातिवाद को जड़ से हटाने के लक्ष्य के लिये **'शिक्षित करना-आंदोलन करना-संगठित करना'** के नारे का इस्तेमाल कर लोगों के लिये एक सामाजिक न्याय का रास्ता दिखाया। निम्न वर्ग समूह के लोगों के लिये अस्पृश्यता की सामाजिक मान्यता को मिटाने के लिये उन्होंने काम किया। 'मूक नायक, बहिष्कृत भारत और जनता समरूपता' जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा उन्होंने दलित अधिकारों की भी रक्षा की। अपने अभूतपूर्व योदान एवं भारत को एक नयी सोच एवं दिशा देने के लिए बाबा साहब को हमेशा याद किया जायेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी, श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, उपकुलसचिव, श्री प्रभाष द्विवेदी, प्रो0 आर0बी0एस0वर्मा, प्रो0 राम किशोर शर्मा, प्रो0 रमा शंकर राय, प्रो0जगदीश नारायण, प्रो0 रूद्र देव, छात्र-छात्राओं के साथ ही साथ कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

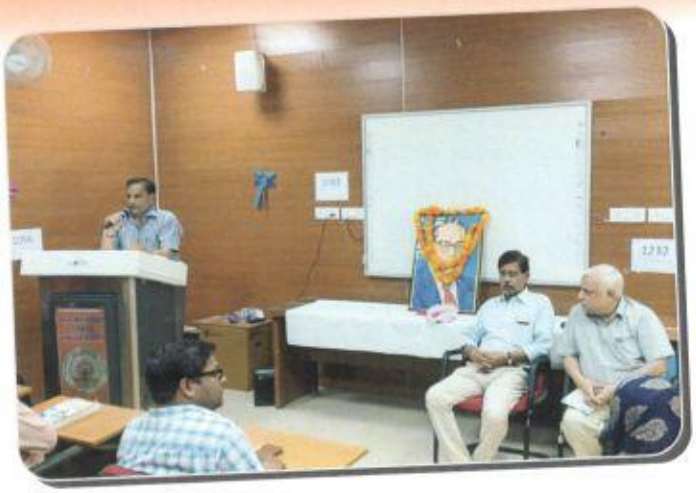

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्वावधान में विषयों ''पंडित दीन दयाल उपाध्याय का जीवन एवं मिशन' एवं ''गीता: रहस्य एकात्म मानव दर्शन का प्रेरणास्रोत'' विषयक व्याख्यान (16 अप्रैल, 2019)

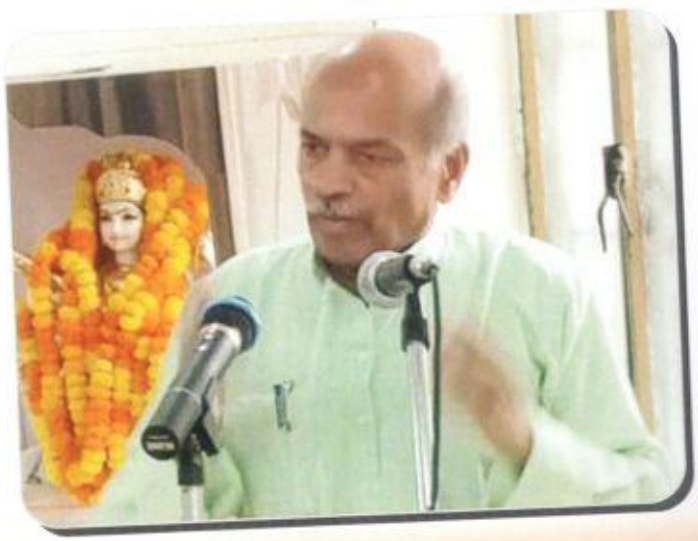

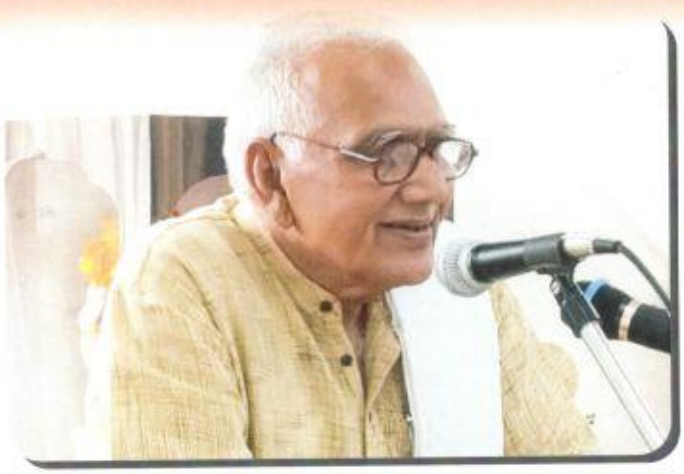

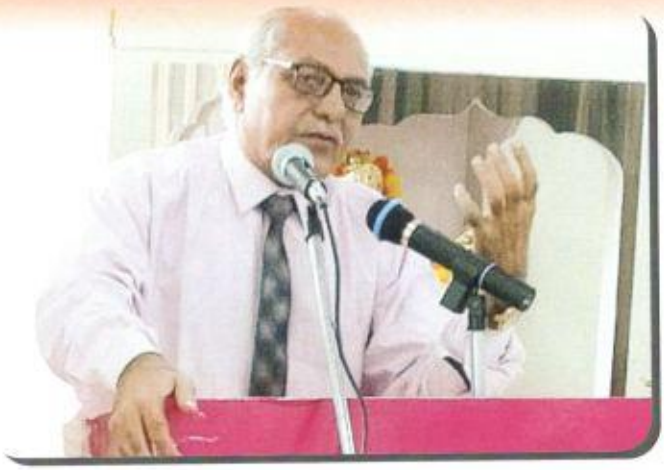

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की ओर से दो विषयों **'पंडित दीन दयाल उपाध्याय का जीवन एवं मिशन'** और **'गीता: रहस्य एकात्म मानव दर्शन का प्रेरणास्रोत'** पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की अध्यक्षता प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने की। अतिथि वक्ता के रूप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो0 अशोक गजानन मोदक ने कहा कि पंडित दीन दयाल मध्यवर्ग से संबंधित होते हुए भी उसकी विसंगतियों से मुक्त रहे। उन्होंने राष्ट्र सेवा और मानव सेवा के लिए अपने जीवन को समर्पित कर दिया। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृति ही राष्ट्र की आत्मा है और संस्कार से ही शिक्षा राजनीति आदि विविध क्षेत्रों में अग्रसर हुआ जा सकता हैं। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानव दर्शन मानव मात्र को एक मंगलकारी सोच प्रदान करता है।

विशिष्ट अतिथि यूपीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 के0बी0पांडेय ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन एवं अन्त्योदय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 राम किशोर शर्मा और धन्यवाद ज्ञापन परीक्षा नियंत्रक डॉ0 विनीता यादव ने किया। कुलसचिव शेषनाथ पांडेय समेत छात्र-छात्राएँ शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज से सम्बद्ध 'महाविद्यालयों' में कार्यक्रम

वैष्णो देवी प्रशिक्षण शिक्षण संस्थान, प्रतापगढ़ के वार्षिकोत्सव समारोह में सहभागिता (10 फरवरी, 2019)

वैष्णो देवी शिक्षण संस्थान गोदांही, कुण्डा, प्रतापगढ़ में वार्षिकोत्सव समरोह का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि प्रतिस्पर्धा की दौड़ में छात्रों को विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ऐसी शिक्षा दी जाये जिससे भारत का गौरव बढ़े तथा अन्य देशों की संस्कृति एवं बौद्धिक आदान-प्रदान का अवसर बढ़े,छात्र-छात्राएं अपना परचम लहराएगें। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि, इंस्टीट्यूट ऑफ चिंडियन स्टडीज, जिनान यूनिवर्सिटी, चीन के निदेशक प्रो0 जिया हैताओं ने कहा कि वे भारत में दूसरी बार आये हैं, भारत की संस्कृति और भाषा को समझने के लिये एक अन्तर्राष्ट्रीय तकनीक होनी चाहिए। कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, बसन्तगीत, देशभक्ति नाटक आदि प्रस्तुत किया गया। वार्षिकोत्सव समारोह में उपस्थित समस्त प्रबन्धकों, प्राचार्यों, शिक्षकों, अभिभावकों के प्रति संस्थान के प्रबन्धक श्री छोटेलाल यादव ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 नन्हेलाल यादव एवं रमेश यादव द्वारा किया। इस अवसर पर जीतलाल यादव, राजाराम त्रिपाठी, विन्देश्वरी प्रसाद पटेल, डॉ0के0के0यादव, डॉ0 उपेन्द्र सिंह, राममूर्ति यादव, (अपर आयुक्त), प्रो0 जमुना प्रसाद सिंह, डॉ0 दलवीर यादव, कुलदीप पटेल, छविनाथ यादव, श्यामराज सिंह, उमाशंकर यादव, अनिल यादव के साथ महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, छात्र-छात्राऐं एंव कर्मचारीगण उपस्थित थे।

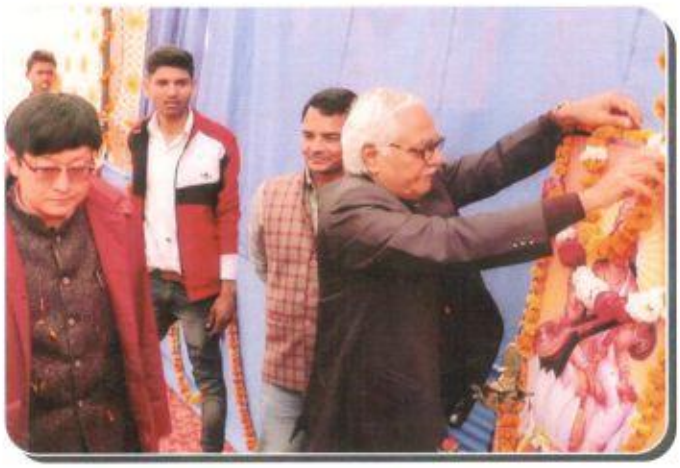

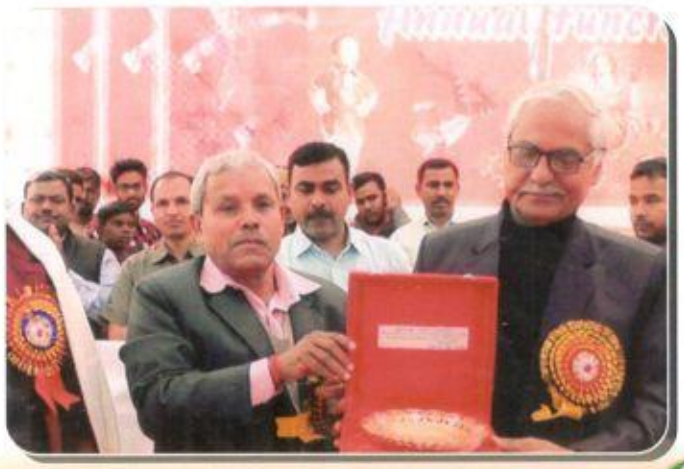

परमेश्वर प्रसाद मेवालाल डिग्री कालेज के स्थापना दिवस में सहभागिता

(03 फरवरी 2019)

परमेश्वर प्रसाद मेवालाल डिग्री कॉलेज में संस्थापक व पूर्व प्रधानाचार्य स्व. मेवालाल वर्मा डिग्री कॉलेज की जयंती समारोह में मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने माँ सरस्वती के चित्र व संस्थापक के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए सबसे जरूरी है कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कार विकसित किया जाए। यदि ऐसा होता है तो न सिर्फ बच्चे पढ़ाई के क्षेत्र में अपने विद्यालय और परिवार का नाम रोशन करते हैं बल्कि देश के बेहतर नागरिक के रूप में स्थापित होते हैं। परीक्षा में बेहतर परिणाम आना जरूरी है लेकिन सबसे जरूरी है कि बच्चे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और उनमें बौद्धिक क्षमता का विकास हो।

एम.एल.सी. अक्षय प्रताप सिंह गोपाल ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कार भी बहुत जरूरी है। बाबागंज विधायक विनोद सरोज ने भी सम्बोधित किया। प्रबंधक व कुलदीप पटेल ने समारोह में आये समस्त अतिथियों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन शिव कुमार, हीरालाल गुप्ता एवं साल्वी शुक्ल ने संयुक्त रूप से किया।

बायोवेद कृषि एवं प्रौद्योगिकी शोध संस्थान द्वारा आयोजित कृषि में रोजगार की संभावनायें विषयक संगोष्ठी में सहभागिता
(13 अप्रैल 2019)

युवाओं की कृषि में कार्यशीलता बढ़ाने, कृषि शिक्षा पर बल देने तथा जैव विविधता संरक्षण के माध्यम से कृषि में रोजगार की अपार संभावनायें हैं। उक्त विचार प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने मुख्य अतिथि के रुप में अपने उद्‌बोधन में 'कृषि में रोजगार की संभावनायें' नामक विचार-गोष्ठी में बायोवेद शोध संस्थान, प्रयागराज के सभागार में आयोजित संगोष्ठी में व्यक्त किया। प्रो0 प्रसाद ने जैव विविधता के संरक्षण, जैविक खेती, मृदा परीक्षण की प्राथमिकता से किसान स्तर पर कार्य करने हेतु बल दिया।

विशिष्ट अतिथि प्रो. जनक पाण्डेय, पूर्व कुलपति, पटना केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय इस बात पर बल दिया कि कृषि प्रबंधन के माध्यम से भी रोजगार की अपार संभावनायें हैं। जैविक उत्पादों के प्रसंस्करण एवं विपणन पर अधिक बल देने की आवश्यकता है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो. के.बी. पाण्डेय, पूर्व कुलपति, चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय एवं नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय तथा पूर्व अध्यक्ष लोक सेवा आयोग, इलाहाबाद ने अपने जीवनवृत्त पर प्रकाशित पुस्तक 'किसान का बेटा' के संदर्भ में बताया कि किसान खेत-खलिहान में पसीना बहाता है तथा निश्चल, संतोषी, परोपकारी, धैर्यशील, ईमानदार तथा विनम्र होता है और किसी से भी ईर्ष्या नहीं करता है एवं दूसरे को देखकर खुश होता है। पशु-पक्षियों एवं सभी जीव जन्तुओं के प्रति अगाध प्रेम के साथ उनका संरक्षण भी करता है। इसलिए किसानों की आय की सुरक्षा एवं कृषि शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

बायोवेद शोध संस्थान के निदेशक कृषि वैज्ञानिक डॉ. बी.के. द्विवेदी ने घटती जोत सीमा तथा बढ़ती जनसंख्या और लागत के अनुपात में कम आय एवं कृषि में प्रतिमाह न्यूनतम आय की सुनिश्चितता एवं एकीकृत एवं समन्वित ढंग से खेती पर बल दिया। कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्द्धन एवं उचित विपणन से युवाओं का आकर्षण खेती के प्रति बढ़ेगा एवं विभिन्न प्रकार के स्वरोजगार एवं अतिरिक्त आय के साधन भी उपलब्ध होंगें। बायोवेद शोध संस्थान के कृषि पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में अध्ययनरत कु0 काजल पाण्डेय ने एजोला की खेती, प्रदुम्न पाण्डेय ने लाख की खेती एवं अन्य छात्र एवं छात्राओं ने कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में किये गये कार्यों के संदर्भ में बताया। इस अवसर पर प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज को 'बायोवेद संगम रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. पी.पी. दूबे, निदेशक, कृषि, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने कृषि क्षेत्र में रोजगार की विभिन्न संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस संगोष्ठी में प्रो. आर.एस. पाण्डेय, डॉ. पी.एन. पाण्डेय, डॉ. के.पी. दूबे, डा. कुमुद दूबे, डॉ. देवेन्द्र कुमार, डॉ. अविनाश वर्मा, हिमांशू द्विवेदी, अभय भारद्वाज, दीपक, इन्द्राकान्त, रजनीश, मोहित,

पंकज, रीना, गौतम, चन्द्रशेखर, हबीबुल्लाह, शनि आदि ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पं. श्रीराम मिश्र उर्फ तलब जौनपुरी को बायोवेद साहित्य रत्न से सम्मानित किया गया।

प्रयाग विद्वत परिषद् एवं इलाहाबाद आकाशवाणी के पूर्व निदेशक, महामहोपाध्याय डॉ0 रामजी मिश्र ने संगोष्ठी का संचालन करते हुए वेद-पुराणों में उल्लिखित कृषि-ऋषि तपोवन का उल्लेख करते हुए कृषि की महत्ता पर प्रकाश डाला और अन्त में सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय शम्भुनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ लॉ कालेज के छात्र/छात्राओं द्वारा बार काउंसिल ऑफ इंण्डिया एवं आई0सी0एफ0आई लॉ स्कूल देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित '35वीं बार काउंसिल ऑफ इण्डिया ऑल इण्डिया इंटर यूनिवर्सिटी मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2019' में सहभागिता

(22 अप्रैल, 2019)

बार कांउसिल ऑफ इण्डिया दिल्ली और आई0सी0एफ0ए0आई0 लॉ स्कूल, देहरादून के संयुक्त

तत्वावधान में '35वीं बार कांउसिल ऑफ इण्डिया (ट्रस्ट) अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2019' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ए0पी0मिश्रा, श्री मनन मिश्रा, अध्यक्ष बार कांउसिल ऑफ इण्डिया एवं प्रो0 युगल किशोर, आई0सी0एफ0ए0आई0 लॉ स्कूल के प्रभारी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में शंभुनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ कॉलेज के छात्र-छात्राओं को 35वीं बार अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2019 में ''बेस्ट मेमोरियल'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पूरे भारत की 52 टीमों, जिसमें एन0एल0यू0 बैंगलोर, एन0एल0आई0यू0 भोपाल, एन0ए0एल0एस0आर0 हैदराबाद, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ-साथ शंभुनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया एवं कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा उनकी सराहना भी की गयी।

BAR COUNCIL OF INDIA
35TH ALL INDIA INTER-UNIVERSITY MOOT COURT COMPETITION
IN ASSOCIATION WITH
THE ICFAI LAW SCHOOL, THE ICFAI UNIVERSITY, DEHRADUN, UTTARAKHAND

Certificate of Best Memorial Award - Second Round

This is to certify that Mr./Ms. Raghvendra Singh representing Shambhunath Institute of Law, Alld. State Uni. was awarded "BEST MEMORIAL AWARD" in the Second Round of the 35th Bar Council of India (Trust) All India Inter-University MOOT COURT COMPETITION held at The ICFAI Law School, The ICFAI University, Dehradun, Uttarakhand from 20th April to 22nd April, 2019.

(PROF DR. MUDDU VINAY) PRO-VICE CHANCELLOR THE ICFAI UNIVERSITY DEHRADUN (UTTARAKHAND)

(VIJAY BHATT) MANAGING TRUSTEE, BCIT CONVENOR, AIIUMCC-2019 NEW DELHI

(MANAN KUMAR MISHRA) CHAIRMAN BAR COUNCIL OF INDIA NEW DELHI

टाउन एवं गाउन' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता

महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा में आयोजित ''हिन्दी में रोजगार की सम्भावनाएँ'' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता (21 फरवरी, 2019)

महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा की ओर से ''हिन्दी में रोजगार की संभावनाएं'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिन्दी के के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 राम किशोर शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीपप्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि ज्ञान का उद्‌देश्य सिर्फ रोजगार की प्राप्ति ही नहीं है। रोजगार अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को रोजगारपरक बनाना चाहिए। प्रो0 राम किशोर शर्मा ने अपने व्याख्यान में कहा कि हिन्दी में रोजगार की व्यापक सम्भावनाएं है। हिन्दी व्यवसाय की प्रमुख भाषा है। कम्पनियां विज्ञापनों के माध्यम से हिन्दी का प्रचार-प्रसार वैश्विक स्तर पर कर रही हैं। देश की सभ्यता और संस्कृति को जानने के लिए लोग हिन्दी सीख रहे हैं।

विशिष्ट अतिथि भाषाविद डॉ0 पृथ्वीनाथ पांडेय ने कहा कि युवा वर्ग भाषा की समझ विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित करें। राष्ट्रभाषा का सम्मान करें। हमें किसी दूसरी भाषा से अलगाव नहीं आपसी समझौता करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति शिवेन्द्र मिश्र ने कहा कि हिन्दी भाषा नहीं मातृशक्ति है। मातृभाषा का प्रचार-प्रसार करना चाहिए।

केन्द्रीय प्रभारी डॉ0 विधु खरे, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 प्रकाश नारायण त्रिपाठी ने अतिथियों को सम्मानित किया। डॉ0 अतुल कुमार मिश्र, डॉ0 आकांक्षा मिश्र, डॉ0 मोहिनीह, डॉ0 विनय श्रीवास्तव, रितु माथुर, शशि कुमार, जितेन्द्र कुमार मौजूद रहे। संचालन डॉ0 कमलेश यादव ने किया ।

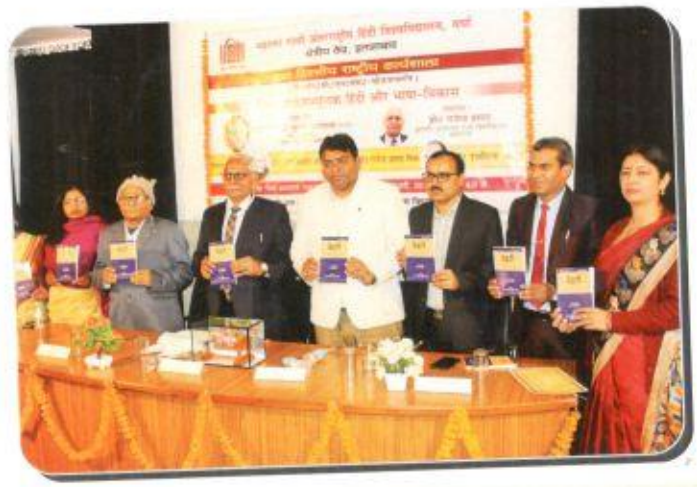

ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज में ''जाति, लोकतांत्रिक राजनीति और राष्ट्र निर्माण: मुद्दें, चुनौतियां एवं संभावनाएं'' विषयक संगोष्ठी में सहभागिता (22 फरवरी, 2019)

ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज में ''जाति, लोकतांत्रिक राजनीति और राष्ट्र निर्माण: मुद्दें, चुनौतियां एवं संभावनाएं'' विषयक द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि जाति भारतीय समाज की पिछले पांच हजार वर्षों के समयान्तराल की असलियत है, जिसको राजनेताओं द्वारा भुनाया गया है। फलत: भारतीय लोकतंत्र में जाति को लेकर विभिन्न चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं और पिछले आठ दशकों में सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर व्यापक संकट पैदा हुए हैं। वर्तमान राजनीति जातीय हितों के संरक्षण पर आश्रित है, जिससे लोकतंत्र की चूलें हिल रही हैं। आज आवश्यकता जाति को समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के साधन के रूप में प्रयोग करने की है। वस्तुत: जाति नहीं, अपितु जातिवाद खतरनाक है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए ईश्वर शरण डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ. आनन्द शंकर सिंह ने कहा कि जाति प्राचीन काल से भारतीय समाज की सांस्कृतिक पहचान रही है। आज लोकतंत्र में जातियों के दुरुपयोग से सभी वर्गों को शासन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है और जिसकी परिणति अंतत: लूट तंत्र में ही रही है।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रो0 अंजू सरन उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्र मात्र जाति की इकाइयों से निर्मित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें महिलाओं, वंचितों और अल्पसंख्यकों की सक्रिय एवं व्यापक सहभागिता भी होनी चाहिए। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो0 वी0के0राय ने कहा कि प्राचीन भारत में जाति जन्मत: नहीं श्रम विभाजन पर आश्रित थी। डॉ0 आर0 के0 श्रीवास्तव ने कहा कि जाति में कोई बुराई नहीं। जातिवाद में बुराई है। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के 'मालवीय शांति शोध केन्द्र' के समन्वयक प्रो0 प्रियंकर उपाध्याय ने कहा कि लोकतंत्र में सभी जातियों एवं जाति के सभी लोगों को सहभागिता मिलनी चाहिए परन्तु भारतीय लोकतंत्र में जाति के सक्षम एवं संभ्रांत लोगों को ही प्रवेश मिला है, जो की गंभीर रुप चिंतनीय है। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ0 अखिलेश पाल ने प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ0 अनूजा सलूजा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अखिलेश पाल ने किया।

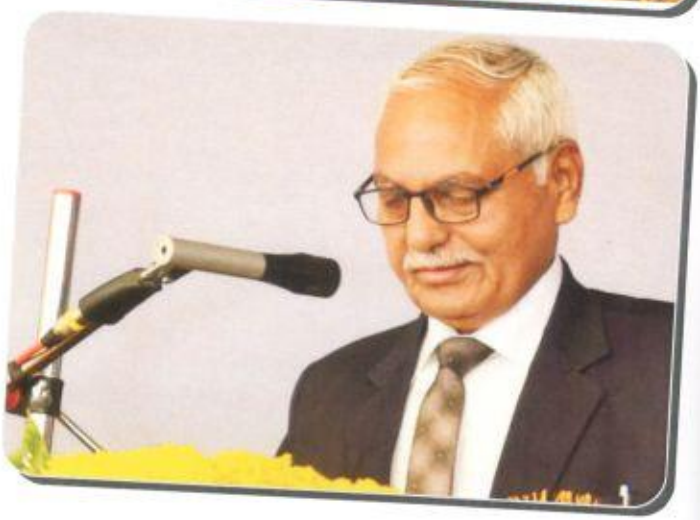

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में ''संस्कृतवाङ्मय में श्रीकृष्ण विमर्श'' विषयक तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में सहभागिता (22 फरवरी, 2019)

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग और पं. गंगानाथ झा पीठ के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत विभाग में

''संस्कृतवाङ्मय में श्री कृष्ण विमर्श'' विषयक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन की शुरुआत विभाग के सभागार में हुई। प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि श्रीकृष्ण सोलह कलाओं से परिपूर्ण व्यक्तित्व, देवत्व और विराट पुरुष के रुप में प्रतिबिम्बित है। यूनिवर्सिटी ऑफ बेनिन बेस्ट अफ्रीका के डॉ0 उचजी इमोभियों ने कहा कि श्रीकृष्ण मानवीय मूल्यों के स्रोत हैं। प्रो0 मृदुला त्रिपाठी ने बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया।

न्यूयार्क की रेने मेरी आंजेलमन ने कहा कि श्रीकृष्ण के उद्देश्यों और बाइबिल के संदेशों में काफी साम्यता है। इस अवसर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के स्वामी शांतानंद, प्रो0 लक्ष्मीश्वर झा, प्रो0 शुकदेव भोई, प्रो0 राम सुमेर यादव, प्रो0 अयोध्यादास, प्रो0 अनंत कुमार, प्रो0 महिपाल, प्रो0 मृदुला त्रिपाठी, प्रो0 के0के0 श्रीवास्तव, प्रो0 गिरजाशंकर शास्त्री, प्रो0 उमाकांत यादव, प्रो0 राम सेवक दुबे, प्रो0 सुचित्रा मित्रा, प्रो0 शबनम हामिद, प्रो0 सलेहा रसीद, प्रो0 ए0ए0फातमी, प्रो0 मंजुला जायसवाल, प्रो0 सीमा यादव, प्रो0 ए0पी0ओझा, प्रो0 अनीता गोपेश व प्रो0 के0के0श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

सी0एम0पी0डिग्री कॉलेज में अमर उजाला द्वारा ''वर्तमान भारत में रोजगार के अवसर एवं चुनौतियां'' कार्यक्रम में सहभागिता

(1 मार्च, 2019)

सी0एम0पी0डिग्री कॉलेज में अमर उजाला की ओर से **''वर्तमान भारत में रोजगार के अवसर एवं**

चुनौतियां'' विषय पर 'अपराजिता' अभियान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि भीड़ का हिस्सा न बनें, केवल अपने लक्ष्य को साधें और आगे बढ़ें, सफलता जरूर मिलेगी। विचार करें, लेकिन किसी विचारधारा के पीछे न चलें। छात्र जीवन में जो वक्त मिलता है, वह सबसे बहुमूल्य होता है। पूरा ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित करें। आज के समय में योग भी रोजगार का बड़ा साधन हो गया है। भीड़ कुछ गिनीचुनी सरकारी नौकरी के पीछे भाग रही है, उस भीड का हिस्सा न बनें। रोजगार के रोज नए रूप सामने आ रहे हैं। जरूरत है कि खुद को अपनी क्षमता के अनुसार ढ़ालें। सफलता के लिए शिक्षित, दीक्षित, परीक्षित और प्रशिक्षित होना जरूरी है। यही आपको कुशल बनाएगा और सफलता की ऊँचाई तक पहुँचने में मदद करेगा। अब ज्ञान भी एक प्रकार का उद्योग हो गया है । कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बृजेश कुमार और प्रॉक्टर डॉ. संतोश श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनन्दा दास ने किया। अंत में मुख्य वक्ता ने सभी को अपराजिता अभियान के तहत नारी सशक्तिकरण की शपथ दिलाई।

कुम्भ के दौरान विशिष्टजनों का सम्मान

(2 मार्च, 2019)

कुम्भ मेला क्षेत्र के गंगा सेना शिविर में कुम्भ मेले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों, स्मिक मैके कार्यकर्ताओं सहित चिकित्सा, अध्यात्म, साहित्य, गायन, नृत्य से जुड़ी हस्तियों को सम्मान से नवाजा गया। योगगुरु स्वामी आनंद गिरि ने सभी को शाल ओढ़ाने के बाद प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज (पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद) के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, आर्यकन्या कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रमा सिंह, संगीत शिक्षिका डॉ. रंजना त्रिपाठी, विधायक संजय गुप्ता सहित पुलिस और प्रशासन के अनेक अधिकारी शामिल थे। एडीजी एस एन सावल मुख्य अतिथि थे। संचालन शरद मिश्र ने किया। इस दौरान नृत्य भैरवी ग्रुप के कलाकारों की ओर से लोक प्रस्तुतियों के अतिरिक्त वर्षा मिश्रा एव दल की ओर से कथक तथा सोनाली चटर्जी की ओर से देशभक्ति गीतों की मोहक प्रस्तुतियां की गयीं।

हिन्दुस्तानी एकेडेमी के 92वां स्थापना दिवस में सहभागिता

(29 मार्च 2019)

हिन्दुस्तानी एकेडेमी का 92वां स्थापना दिवस समारोह हिन्दुस्तनी एकेडेमी, प्रयागराज में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद जी ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि एकेडेमी हिन्दी-उर्दू व क्षेत्रीय भाषाओं के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही है। मुख्य वक्ता एकेडेमी के पूर्व अध्यक्ष हरिमोहन मालवीय ने कहा कि एकेडेमी की विचारधारा उदारवादी है। यह सह चिंतन का भाषिक केन्द्र है। यहाँ कई विचारधाराओं के लोग आते रहे हैं, जिसमें महादेवी वर्मा, फ़िराक गोरखपुरी, भैरव

प्रसाद गुप्ता, नामवर सिंह शामिल रहे। प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह ने हिन्दी को वैश्विक परिदृश्य से जोड़ने की बात कही। आरम्भ में एकेडेमी की ओर से शॉल देकर अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एकेडेमी के अध्यक्ष डॉ0 उदय प्रताप सिंह ने कहा कि एकेडेमी के माध्यम से साहित्यिक, सांस्कृतिक चेतना का विस्तार हो रहा है। उन्होंने एकेडेमी की योजनाओं पर रोशनी डाली और कार्य समिति के सदस्यों का स्वागत किया। एकेडेमी के सचिव रवीन्द्र कुमार ने एकेडेमी की गौरवशानी उपलब्धियों को रेखाकिंत किया। कार्यक्रम का संचालन एकेडेमी के कोषाध्यक्ष व साहित्यकार रविनंदन सिंह ने किया।

श्री गुरू सिंह सभा में 'वैशाखी समागम' कार्यक्रम में सहभागिता
(13 अप्रैल 2019)

श्री गुरू सिंह सभा, खुल्दाबाद, गुरूद्वारे में खालसा सृजना दिवस (वैशाखी समागम) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। गुरूद्वारा साहिब में, जलियावाला बाग में हुए नरसंहार के 100 वर्षी होने पर मुख्य अतिथि प्रो0 प्रसाद ने शहीदों को श्रद्वांजलि देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि जलियावाला बाग हत्यांकाड भारत के इतिहास से जुड़ी हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस हत्याकांड की सम्पूर्ण विश्व में निंदा की गई थी। हमारे देश की आजादी के लिए चल रहे आंदोलनों को रोकने के लिए इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था, लेकिन इस हत्यांकांड के बाद हमारे देश के क्रांतिकारियों के हौसले कम होने की जगह और मजबूत हो गए थे। वर्ष 1919 में हमारे देश में कई तरह के कानून, ब्रिटिश सरकार द्वारा लागू किए गये थे और इन कानूनों का विरोध हमारे देश के हर हिस्से में किया जा रहा था। 6 फरवरी वर्ष 1919 में ब्रिटिश सरकार ने इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल में एक 'रॉलेक्ट' बिल को पेश किया था और इस बिल को इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ने मार्च के महीने में पास कर दिया था जिसके बाद ये बिल एक अधिनियम बन गया था। इस अधिनियम की सहायता से भारत की ब्रिटिश सरकार, भारतीय क्रांतिकारियों पर काबू पाना चाहती थी और हमारे देश की आजादी के लिए चल रहे आंदोलनों को पूरी तरह से खत्म करना चाहती थी। इस अधिनियम का राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी सहित कई नेताओं ने विरोध भी किया था।

कार्यक्रम में विशेष तौर पर सिक्ख पंथ में महान विद्वान ज्ञानी हरिपाल सिंह जी, हेड ग्रंथी श्री फतेहगढ़ साहिब, प्रो0 योगेश्वर तिवारी, विभागाध्यक्ष, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचलान परमजीत सिंह द्वारा किया गया।

केन्द्रीय प्रभारी डॉ0 विधु खरे, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 प्रकाश नारायण त्रिपाठी ने अतिथियों को सम्मानित किया। डॉ0 अतुल कुमार मिश्र, डॉ0 आकांक्षा मिश्र, डॉ0 मोहिनीह, डॉ0 विनय श्रीवास्तव, रितु माथुर, शशि कुमार, जितेन्द्र कुमार मौजूद रहे। संचालन डॉ0 कमलेश यादव ने किया ।

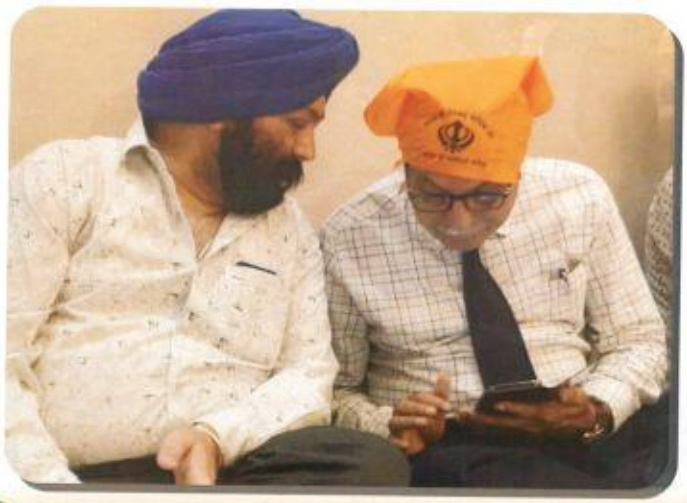

हिन्दुस्तानी एकेडेमी में राष्ट्रीय अवधी सम्मेलन व सम्मान समारोह में सहभागिता (22 अप्रैल 2019)

हिन्दुस्तानी एकेडेमी में राष्ट्रीय अवधी सम्मेलन ''वैश्विक पटल पर हिन्दी साहित्य के संवर्धन में अवधी के योगदान'' व सम्मान समारोह का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन और डॉ0 राजेन्द्र त्रिपाठी 'रसराज' द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि भारतवर्ष जब तक है, रामचरित मानस और अवधी खत्म नहीं हो सकती है। यह प्रेम और मिठास की बोली है। अपनी भाषा, बोली में बात करना आत्मसम्मान का भाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय शुद्ध अवधी में कविताओं का सृजन कम हो रहा है, इस कमी को दूर करना होगा।

मुख्य वक्ता प्रो0 राम किशोर शर्मा ने कहा कि अयोध्या का भाव है कि जहाँ युद्ध की संभावना न हो। इस दृष्टि से अवधी सांस्कृतिक सामंजस्य और उदारता की भाषा है। मध्यकाल में साहित्य की यह मुख्य भाषा रही है। तुलसीदास ने इसे साहित्यिक ऊँचाई प्रदान की। भारतीय संस्कृति को वैश्विक रूप में देने में अवधी खास योगदान रहा है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के प्रो0 अली अहमद फातमी ने कहा कि भारतीय भाषाओं का अवामी लहजा उसकी खासियत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए। अपनी भाषा ही अपनी पहचान होती है। अवधी भाषा में तुलसी रचित 'राम चरित मानस' और जायसर कृत 'पदमावत' और अवध क्षेत्र के अन्य लेखकों, कवियों और रचनाकारों ने अवधी को वैश्विक पहचान दिलाने का काम किया।

स्वागत संबोधन में संस्थान के अध्यक्ष डॉ0 राम बहादुर मिश्र ने विश्व फलक पर अवधी की स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मई-जून में देश के प्रांतों के अलावा नेपाल, वियतनाम, मंगोलिया आदि देशों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। संयोजन व संचालन अंजनी कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विजय त्रिपाठी, मुनेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, अजय प्रकाश, राम लोचन सावंरिया, वंदना शुक्ला, वेदानंद वेद, ब्रजेन्द्र प्रताप, रमाकांत मौजूद रहें।

सामंजस्य और उदारता की भाषा है अवधी

दुनियाभर में हो रहा अवधी का विस्तार : न्यायमूर्ति गिरिधर

युवाओं ने कहा-उम्र 18 पूरी तो मत देना जरूरी है

नए परीक्षा भवन में मूल्यांकन की तैयारी

राज्य विवि: प्रथम चरण के निर्माण के लिए 18 करोड़ जारी, तीन माह बाद हाईटेक सिटी शिफ्ट करने की योजना

पहले चरण के निर्माण कार्य की स्थिति

राज्य विवि को भवन निर्माण के लिए मिले 18 करोड़ रुपये

जासं, प्रयागराज : प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय के भवन निर्माण के पहले चरण के लिए शासन की ओर से 18 करोड़ 93 लाख 95 हजार रुपये स्वीकृत कर दिए गए हैं। इसके पहले विश्वविद्यालय को 61 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि शासन की ओर से बजट स्वीकृत कर दिया गया है। नैनी में निर्माण तेजी से चल रहा है। विवि का परीक्षा भवन निर्माण एजेंसी ने तीन माह बाद सौंपने के लिए कहा है। तैयारी तो यह भी है कि कॉपियों का मूल्यांकन वहीं पर होगा। इसके अलावा अन्य कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विवि का मुख्य द्वार और चारों तरफ बाउंड्री बनाने के साथ तीन एकेडमिक ब्लॉक भी बनकर तैयार हैं। अभी प्रशासनिक भवन, बैंक, पोस्ट ऑफिस, पुलिस चौकी, छात्रावास और कुलपति समेत अन्य अफसरों के लिए भवन का निर्माण चल रहा है। 17 जून 2016 को कार्यभार ग्रहण करने वाले राज्य विवि के प्रथम कुलपति प्रो. राजेंद्र ने बताया कि 200 करोड़ रुपये से निर्माण

अतीत व वर्तमान से ही इतिहास का निर्माण

हिन्दी और उर्दू के विकास में एकेडमी की अहम भूमिका

स्थापना दिवस

छह साहित्यिक हस्तियों का हुआ सम्मान

हमारी संस्कृति ही राष्ट्र जीवन की परंपरा: हृदय नारायण

विवि में दो दिवसीय गोष्ठी का उद्घाटन

बालाकोट पर हमले से साबित हुई भारत की क्षमता

दैनिक जागरण के सोमवारीय अकादमिक बैठक में बतौर रक्षा विशेषज्ञ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने रखे विचार

कुलदीप तिवारी, प्रयागराज

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर 14 फरवरी को हुए हमले में 40 जवान शहीद हो गए थे। जवाब में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कैंप को ध्वस्त कर दिया था। इस हमले से पाकिस्तान हताश हो गया। ... दैनिक जागरण की सोमवारीय अकादमिक बैठक में 'क्या हासिल हुआ बालाकोट हमले से' विषय पर रक्षा विशेषज्ञ और इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बतौर विशेषज्ञ अतिथि विचार व्यक्त किए।

प्रो राजेंद्र प्रसाद

अतिथि परिचय

प्रख्यात रक्षा विशेषज्ञ प्रो. डॉ. राजेंद्र प्रसाद इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति हैं। एक जनवरी 19.. को गोरखपुर के ... में जन्मे प्रो. राजेंद्र की पहचान ... चिंतक, लेखक और कुशल प्रशासक के रूप में भी है। इन्होंने प्राथमिक शिक्षा से पीएचडी तक की उपाधि गोरखपुर से प्राप्त की। दिसंबर 1975 से 1980 तक आगरा विवि के ... कॉलेज में सैन्य अध्ययन के प्रवक्ता रहे। इसके बाद गोरखपुर विवि में प्रवक्ता नियुक्त हुए। वहीं पर रीडर, प्रोफेसर, डीन विज्ञान संकाय, कुलानुशासक, वित्त अधिकारी और कुलपति भी नियुक्त हुए। अब तक हिंदी-अंग्रेजी भाषा में 17 पुस्तकों, 100 से अधिक शोधपत्रों और लेखों का योगदान। 100 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान दिए। हिंदी भाषा में मौलिक लेखन के लिए रक्षा मंत्रालय भारत सरकार का पुरस्कार, संयुक्त राष्ट्र ..., राजीव गांधी एजुकेशन अवार्ड, इंदिरा गांधी शिक्षा शिरोमणि पुरस्कार एवं ... फेलोशिप प्राप्त जैसे अनेक सम्मान प्राप्त किए।

उन्होंने कहा कि कोई देश तभी विकास कर सकेगा जब वह सुरक्षित होगा। ...

... चाहिए। यही भारत ने बालाकोट में किया। इसके लिए भारत ने पूरी तैयारी की थी। जिससे भारत को कूटनीतिक विजय हासिल हुई और पूरे विश्व से उसकी कार्रवाई को समर्थन मिला। क्योंकि भारत विश्व को यह संदेश देने में सफल रहा कि वह अपने ऊपर हुए आतंकी हमले का प्रत्युत्तर दे रहा है।

... अमेरिका जैसे कुछ चुनिंदा देश ही करते थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में आतंकी इस तरह के हमले सरकार को अस्थिर और अलोकप्रिय बनाने के लिए करते हैं और करते रहे हैं।

बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा देश

प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने आगे कहा कि आज हमारा देश बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। ...

स्कूलों में पढ़ाया जाए राष्ट्रीय सुरक्षा का पाठ

उन्होंने कहा आज सीमाएं तो सुरक्षित हैं लेकिन सीमा के भीतर लोग खुद को महफूज नहीं रख पा रहे हैं। इसके लिए एक नई पहल करनी होगी। देशभर में स्कूलों में राष्ट्रीय सुरक्षा का पाठ पढ़ाना चाहिए। इतिहास के पन्नों में जिन घटनाओं से देश का सिर झुका यदि हम अब उनसे भी कोई सीख लें तो आतंकवाद से आसानी से निपटा जा सकता है। राजनेताओं को भी अपनी जुबान पर नियंत्रण रखना चाहिए।

जागरण विमर्श

सशस्त्र सेनाओं को पूरी तरह से छूट मिलनी चाहिए। इसे सियासत से नहीं जोड़ना चाहिए।

... पाक को उसके ही ट्रिक्स 'ए' ...

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि ...

इलाहाबाद राज्य विवि को मिलेगा रज्जू भैया का नाम

तैयारी

- योगी सरकार की उप्र राज्य विवि अधिनियम में संशोधन की तैयारी
- विधानमंडल के बजट सत्र में विधेयक लाने का इरादा

कल आएंगे पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पं. केशरीनाथ

प्रयागराज | निज संवाददाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी 8 से 13 फरवरी तक प्रयागराज में रहेंगे। वह शुक्रवार को कोलकाता से विमान से आएंगे और अपने निवास पर रात्रि विश्राम करेंगे। 9 फरवरी वह डॉ. लोहिया मार्ग पर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। 10 फरवरी को वह प्रातः 11 बजे इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति की लिखित पुस्तक का विमोचन करेंगे। दोपहर तीन बजे सीएवी इंटर कॉलेज जाएंगे।

11 फरवरी को वह एक स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। 12 फरवरी को संस्कृति कुम्भ शिविर में जाएंगे। वह मिंक नैके पैवेलियन का भी भ्रमण करेंगे। 13 फरवरी को एक स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद इलाहाबाद जंक्शन से 11:45 बजे हावड़ा के लिए रवाना हो जाएंगे।

पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल पं. केशरी नाथ त्रिपाठी।

कर्म करना ही 'समर' हैः केशरीनाथ त्रिपाठी

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल के गवर्नर पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी ने मंगलवार को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद की पुस्तक 'समर शेष है: मानवता की काव्यात्मक मीमांसा' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि जीवन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कर्म करना ही समर है। उन्होंने कहा कि मन विविधताओं से परिपूर्ण है। हमारी संवेदनाएं, प्रतिक्रिया के रूप में संवेदना के माध्यम से प्रकट होती हैं। सरल शब्दों में व्यक्त की गई बातें सदा सार्थक हैं। 'समर शेष' ऐसी ही रचना है। प्रो. राम किशोर शर्मा एवं डॉ. क्षमाशंकर पांडेय ने समीक्षात्मक वक्तव्य में पुस्तक के सशक्त पक्षों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपा ओझा एवं धन्यवाद ज्ञापन परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनीता यादव ने किया। इस मौके पर चीन के शिनान विश्वविद्यालय से आए प्रो. जिया हैनओ, विश्वविद्यालय के कुलसचिव ज्ञानप्रकाश पांडेय, वित्त अधिकारी धर्मेंद्र प्रकाश त्रिपाठी, रघुनंदन मोहन मिश्र, पुस्तक के प्रकाशक रविशंकर मिश्र आदि मौजूद रहे।

'जीवन के उद्देश्यों की पूर्ति को कर्म करना ही 'समर' है'

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद की पुस्तक का विमोचन करते पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी।

जासं, प्रयागराज : इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद द्वारा रचित 'समर शेष है: मानवता की काव्यात्मक मीमांसा' नामक पुस्तक का विमोचन मंगलवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन विविधताओं से परिपूर्ण है, हमारी संवेदनाएं, प्रतिक्रिया के रूप में कविता के माध्यम से प्रकट होती हैं। सरल शब्दों में व्यक्त की गई बातें सदा सार्थक हैं। 'समर शेष है' ऐसी ही रचना है। आगे उन्होंने कहा कि प्रो. राजेंद्र प्रसाद संवेदनशील व्यक्ति हैं। वर्तमान परिवेश में उनकी कविताएं व्यक्ति, समाज और देश के हित को समर्पित करती हैं। इसके अलावा उनकी खास बात राज्यपाल ने यह भी कही कि अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए कर्म करना ही 'समर' है, जो जीवन भर चलता रहता है। प्रो. राम किशोर शर्मा एवं डॉ. क्षमाशंकर पांडेय ने समीक्षात्मक वक्तव्य देते हुए पुस्तक के सशक्त पक्षों को प्रस्तुत करते हुए प्रो. राजेंद्र प्रसाद की कविताओं का पाठन भी किया। संचालन डॉ. दीपा ओझा, डॉ. विनीता यादव, ज्ञानप्रकाश पांडेय, धर्मेंद्र प्रकाश त्रिपाठी, नलिन मिश्र, चीन के शिनान विश्वविद्यालय से आए प्रो. जिया हैनओ, आरकेसिंह, रविशंकर मिश्र आदि रहे।

समाज में जाति नहीं, जातिवाद है खतरनाक : प्रो. प्रसाद

राधा-कृष्ण का संबंध केवल रास नहीं

बोले कुलपति

प्रयागराज | निज संवाददाता

इलाहाबाद राज्य विवि को मिलेगा रज्जू भैया का नाम

तैयारी

- योगी सरकार की उप्र राज्य विवि अधिनियम में संशोधन की तैयारी
- विधानमंडल के बजट सत्र में विधेयक लाने का इरादा

इलाहाबाद राज्य विवि को मिलेगा संघ प्रमुख रज्जू भैया का नाम

लखनऊ : योगी सरकार इलाहाबाद राज्य विवि का नामकरण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरसंघचालक प्रो. राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया की स्मृति में करेगी। इसके लिए उप्र राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी दिलाने की तैयारी है। ● पेज09

'कार्रवाई स्वागतयोग्य पर युद्धोन्माद की स्थिति होगी खतरनाक'

विशेष टिप्पणी

ज्ञान का उद्देश्य सिर्फ रोजगार प्राप्ति नहीं : प्रो. राजेन्द्र

प्रयागराज | निज संवाददाता

विचार

- कई विवि के कॉलेज सभागार में वक्ताओं ने रखे विचार
- तलाशी गई हिन्दी की रोजगार की सम्भावनाएं

हिन्दी का प्रचार-प्रसार वैश्विक स्तर पर कर रही है। देश की सभ्यता और संस्कृति को जानने के लिए लोग हिन्दी सीख रहे हैं।

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for Higher Learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offer a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a " world class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will envolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for :

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.